यह प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिका संयुक्त है।

जय गुरु नाना | जय महावीर | जय गुरु राम

# श्री साधुमार्गी जैन धार्मिक परीक्षा बोर्ड, बीकानेर

## जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा–2024

समय : 3 घण्टे
12:30 से 3:30 बजे तक

**प्रश्न–उत्तर पत्र भाग –1**

अंक 97+3–100

नाम..... पिता/पति का नाम.....

शहर का नाम..... जन्मतिथि..... मोबाइल..... रोल नं .....

**नोट:-सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये निर्देशों के अनुसार, निर्धारित स्थान पर, इसी प्रश्न पत्र में लिखें। उत्तर पुस्तिका जाँचने पर यदि यह पुष्टि होती है कि परीक्षार्थी ने दूसरे का सहयोग लिया है अथवा एकाधिक पुस्तिकाओं के उत्तर समान हैं तो उसे नकल किया हुआ मानकर परिणाम निरस्त कर दिया जावेगा। केन्द्र अधीक्षक उपरोक्त प्रश्नोत्तर पुस्तिका परीक्षा समाप्ति के अगले दिन श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.) के पते पर भिजवावें।**

**(नोट:-पेपर 97 अंक एवं 3 अंक सामायिक के हैं। जैसे :- 3 सामायिक करने पर 3 अंक दिए जाएगे और 2 करने पर 2 अंक) सामायिक में नकल करने पर ज्ञानावरणीय कर्म का बंध होता है। (परीक्षा दिनांक 15.09.2024)**

**1. आपने कितनी सामायिक की है 1,2,3 कॉलम में लिखें।** ¼ ½

---

## सूत्र विभाग–35

**प्रश्न 1. रिक्त स्थान की पूर्ति करो–** **30**

1. करेमि ..... णमंसामि।
2. पाणक्कमणे .....ओसा।
3. ऊससिएणं .....छीएणं।
4. सुविहिं च .....वासुपुज्जं च ।
5. धर्म ध्यान .....कायोत्सर्ग में ।
6. समाइयं .....पच्चक्खामि
7. धम्मसारहीणं .....वट्टीणं
8. मणदुप्पणिहाणे .....समाइयस्स ।
9. आहार संज्ञा .....परिग्रह संज्ञा ।
10. अनुस्वर पद .....न्यूनाधिक ।
11. विवेक बिना सामायिक करे तो .....दोष।

12. बुरे वचन बोले तो .....दोष।

13. सामायिक में मैल उतारे तो .....दोष

14. सामायिक में निद्रा लेवे तो .....दोष

15. अहंकार युक्त सामायिक करे तो .....दोष

**प्रश्न 2. निम्न पंक्तियों को शुद्ध करके लिखिए-** **5**

1. क्रोध को सरलता से जीतों .....।

2. मान को क्षमा से जीतो .....।

3. माया को संतोष से जीतो .....।

4. लोभ को नम्रता से जीतो .....।

5. प्रत्याख्यान लेते समय दो तथा पालते समय एक लोगस्स का ध्यान करते है।

.....।

**तत्व विभाग-25**

**प्रश्न 3. सही विकल्प चुनकर लिखें-** **20**

1. 10वें तीर्थंकर का नाम

अ. शांतिनाथ जी ब. अनन्तनाथ जी स. शीतलनाथ जी द. कुंथुनाथ जी

2. 4थी सतीजी का नाम

अ. सीताजी ब. दमयन्ती जी स. कौशल्या जी द. सुलसा जी

3. 8वें श्रावक का नाम

अ. श्री आनन्दजी ब. श्री कामदेव जी स. श्री महाशतक जी द. श्री सुशदेव जी

4. शील के समान नहीं है

अ. अमृत ब. सुख स. शरण द. मित्र

5. सभी कलह का मूल क्या है?

अ. विनय ब. मोह स. आश्रव द. हंसी

6. चेतना रहित जड़ पदार्थ क्या है?

अ. पाप ब. जीव स. अजीव द. आश्रव

7. बड़ों के सामने सदा कैसे बैठो?

अ. सीधे ब. पदमासन में स. नम्र होकर द. अकड़कर

8. भगवान महावीर स्वामी का दूसरा नाम

अ. सिद्धार्थ ब. वर्धमान स. आदिनाथ द. श्रेणिक

9. सति चेलनाजी का दूसरा नाम

अ. सीता जी ब. सुलसा जी स. सुभद्रा जी द. पुष्पचूला जी

10. बाल ब्रह्मचारी सती जी का नाम

अ. ब्राह्माजी ब. सीताजी स. सुलसा जी द. सुभद्रा जी

**प्रश्न–4. परिभाषित कीजिए–** **5**

पुण्य तत्त्व– .....

.....।

पाप तत्त्व .....

.....।

## कथा विभाग–10

**प्रश्न–5. सही गलत में उत्तर देवें–** **10**

1. भगवान महावीर ने चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को केवल ज्ञान प्राप्त किया। ( )
2. मेघरथ राजा जीव 16वें तीर्थंकर बने। ( )
3. धर्माचरण का पाँचवां नियम अपरिग्रह है। ( )
4. राजा श्रेणिक ने पुणिया श्रावक की सामायिक खरीद ली थी। ( )
5. बहेलिये ने कहा शरण में आए हुए की रक्षा करना मेरा धर्म है। ( )
6. भगवान महावीर ने 28 वर्ष की उम्र में दीक्षा ली। ( )
7. भगवान महावीर के शासन में 10 गणधर थे। ( )
8. भगवान महावीर के 14,000 साधु थे। ( )
9. भगवान महावीर के कान में भरकर वृक्ष की लकड़ी के कीले बनाकर ग्वाले ने ठोंक दी। ( )
10. जैन धर्म का पहला व्रत अपरिग्रह है। ( )

## काव्य विभाग–15

**प्रश्न–6. निम्न काव्यांशों को पूर्ण करो–** **15**

1. विषयों की आशा .....

.....तत्पर रहते है।

2. अरिहंताणं पद .....

.....सिद्धि पाता है।

3. तुम्हारे ज्ञान .....

.....सदा जय हो।

4. दया दिखाने में .....

.....संताप कभी वह

5. सुखी रहे सब .....

.....मंगल गावे।

## सामान्य ज्ञान विभाग–15

**प्रश्न–7. जोड़ी बनाओं–** **5**

| | | |
|---|---|---|
| 1. चन्दन | – | मुखवास |
| 2. दूध | – | कुसुम |
| 3. सुपारी | – | वाहन |
| 4. फूल इत्र | – | विगय |
| 5. हाथी घोड़ा तांगा | – | विलेपन |

**प्रश्न–8. सही विकल्प चुनकर लिखे–** **5**

1. श्रावक के मनोरथ कितने है।

अ. 2 ब. 3 स. 4 द. 5 .....

2. धर्म स्थान में प्रवेश के नियम का नाम

अ. मनोरथ ब. महाव्रत स. अणुव्रत द. अभिगम .....

3. धर्म स्थान में प्रवेश के कितने नियम है।

अ. 8 ब. 3 स. 5 द. 12 .....

4. शुद्ध सामायिक की दलाली में कितना धन कम पड़ता है।

अ. 27 डूंगरी ब. 72 डूंगरी स. 62 डूंगरी द. 52 डूंगरी .....

5. कौन सर्वनाश करता है।

अ. मान ब. माया स. प्रीति द. लोभ .....

**प्रश्न–9. सुभाषित पूर्ण करें–** **2**

1. अरिहंत .....

..... शील नमाये।

2. जैसा मीठा क्षीर सागर का पानी .....

जो कोई सुणे वो उत्तम प्राणी .....